ग्रीष्मकालीन अवकाश हेतु गृहकार्य–2017

कक्षा–छठीं

विषय–हिन्दी

1.बारह खड़ी लिखें, और याद करें।

2.विभिन्न प्रकार की चिड़ियों के चित्र चिपकाकर उनके नाम हिन्दी में लिखिए।

3.अवकाश की दिनचर्या लिखिए।

कक्षा–सातवीं

विषय–हिन्दी

1.अपनी " दादी माँ" का चित्र चिपकाकर उनके विषय में लिखिए।

2."आजादी सभी को प्रिय है" विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

3.महाभारत की वंशावली और अपने परिवार की वंशावली लिखिए।

कक्षा–आठवीं

विषय–हिन्दी

1.लाख से कौन–कौन सी चीजें बनती है?चित्र सहित जानकारी लिखिए।

2. किसी यात्रा का वर्णन कीजिए।

3."ग्रीष्मअवकाश कैसे बिताया" विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

कक्षा–नौवीं

विषय–हिन्दी

1.सच्चे मित्र की विशेषताएँ लिखिए।

2.निम्नलिखित विषयों पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए–

1.मोबाइल फोन

2.सामाजिक जीवन में टी. वी का महत्तव

3. देशभक्ति

4.कंप्यूटर की उपयोगिता

कक्षा–दसवीं

विषय–हिन्दी

1.निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए–

1 कंप्यूटर का योगदान

2.मेरा भारत महान

3.विद्यार्थी जीवन में व्यायाम का महत्तव

4.मेरे जीवन का लक्ष्य

5.स्वच्छ भारत।

कक्षा–बारहवीं

विषय–हिन्दी

दिए गए विशयों पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए–

1.मेरी बेटी मेरा मान–बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं

2.स्वच्छ तन–स्वच्छ मन सफल भारत स्वच्छ भारत

3.तिलस्मी दुनिया ध्वनि तरंगों की–डिजीटल इंडिया

4.आओ नदियों को स्वच्छ करें

5.अपना हाथ जगन्नाथ–स्किल इंडिया

6.हम स्मार्ट,सिटी स्मार्ट देश स्मार्ट–स्मार्ट सिटी।

कक्षा: VI

पाठ: बचपन -

विषय: हिन्दी

प्रश्नोत्तर -

प्र॰ 1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थी?

उत्तर - लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे स्वयं धोती थी, इसके बाद वह अपने जूतों को पॉलिश करके खूब चमकाती थी।

प्र॰ 2. तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है"। यह कहकर लेखिका क्या-क्या बताती है?

उत्तर - यह कहकर लेखिका निम्नलिखित बातें बताती है -

(i) पहले मनोरंजन के साधन ग्रामोफोन थे जो कुछ ही घरों में थे। परंतु आज टेलीविजन, कंप्यूटर आदि सभी के घरों में उपलब्ध है।

(ii) पहले कुल्फी, कचौड़ी समोसा खास लोग थे जबकि आज उनकी जगह आइसक्रीम और पैटीज ने ले ली है।

(iii) पहले बेल, शहतूत, फालसे तथा खसखस का शरबत लोग पीते थे परंतु आज लोग कोक पेप्सी पीने लगे हैं।

प्र॰ 3. पता करो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा था, और चश्मा लगाने पर उसके चचेरे भाई क्या कहकर छेड़ते थे?

उत्तर - मंद रोशनी में पढ़ने के कारण लेखिका की आँखें खराब हो गई थी जिसके कारण उसे चश्मा लगाना पड़ा था।
लेखिका के चचेरे भाई उसे छेड़ते और वे कहते -

" आँख पर चश्मा लगाया ताकि सूझे दूर की,
यह नहीं लड़की को मालूम सूरत बनी लंगूर की ॥

प्र०4. लेखिका बचपन में कौन-कौन सी चीज़े मज़ा लेकर खाती थी? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखिए।

उत्तर:- लेखिका बचपन में निम्नलिखित चीजे मजा लेकर खाती थी -

(i) लेखिका टॉफी और चॉकलेट रात का भोजन करने के बाद बिस्तर पर लेटकर मज़े लेकर खाती थी।

(ii) वह शिमला के काफल और चैस्टनट भी खूब मज़े से खाती।

(iii) गरम चने तथा अनार दाने का चूर्ण भी बड़े चाव से खाती थी।

प्रमुख फलों के नाम -

1 काफल 2. रसभरी 3. कसमल 4. चैस्टनट।

भाषा की बात:

1. इन क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनाओ -

1. पुकारना	-	पुकार	6. चमकना	-	चमक
2. उभरना	-	उभार	7. दौड़ना	-	दौड़
3. मारना	-	मार	8. हारना	-	हार
4. हँसना	-	हँस	9. सीखना	-	सीख
5. हड़पना	-	हड़प	10. काटना	-	काट

2. अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी अर्थ लिखिए -

अंग्रेजी		हिन्दी
1. रिबन	-	फीता
2. कलर	-	रंग
3. बूट/शूज	-	जूते
4. आयल	-	तेल
5. टेलीविजन	-	दूरदर्शन
6. प्वाइंट		बिन्दु

कक्षा - नौवी - IX

हिन्दी

इस जल प्रलय में - कृतिका

प्र०. बाढ़ की खबर सुनकर लोग किस तरह की तैयारी करने लगे?

उ०. बाढ़ की खबर सुनकर लोग अपनी सुरक्षा के प्रबंध और आवश्यक सामानों को जुटाने में लग गए। लोग ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दिया सलाई, पीने का पानी, और कंपोज की गोलियाँ इकट्ठी कर ली ताकि बाढ़ आ जाने पर कुछ दिनों तक गुजारा चल सके।

प्र०२. बाढ़ की सही जानकारी लेने और बाढ़ का रूप देखने के लिए लेखक क्यों उत्सुक था?

उ० - बाढ़ की सही जानकारी के लिए लेखक इच्छुक था कि उसने कई बार बाढ़ देखी थी बाढ़ पीड़ितों की सहायता भी की थी परंतु किसी नगर में विशेषकर अपने नगर में पानी किस प्रकार घुसेगा यह जानना बिलकुल नया अनुभव था।

प्र०३. मृत्यु का तरल दूत किसे कहा गया है और क्यों?

बाढ़ के लगातार बढ़ते जल को मृत्यु का तरल दूत कहा गया है क्योंकि बाढ़ के जल से न जाने कितने प्राणियों को उजाड़ दिया था। बहुत लोग बेघर हो गए, किसानों की फसलें नष्ट हो गई। अपार जन समूह मृत्यु की गोद में समा गए इन्हीं कारणों से बाढ़ के पानी को मृत्यु का तरल दूत कहा गया है।

प्र०-7. खरीद-बिक्री बंद हो चुकने पर भी पान की बिक्री अचानक क्यों बढ़ गई थी?

उ०- खरीद-बिक्री बंद हो चुकने पर पान की बिक्री अचानक

बढ़ गई थी क्योंकि जो लोग बाढ़ को देखने के लिए आ रहे थे वे अपना समय गुजारने के लिए पान का सहारा ले रहे थे।

प्र०-9 - बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में कौन-कौन सी बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है?

उ० - बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में अकसर पकाही घाव हो जाता है। बाढ़ के गंदे जल में चलने से लोगों के पैर की उँगलियाँ सड़ जाती हैं। इसके अतिरिक्त हैजा, कालरा, मलेरिया, चिकन गुनिया फैलने का डर बना रहता है।

प्र०10. अपदाओं से निपटने के लिए अपनी तरफ से कुछ सुझाव दीजिए -

उ० अपदाओं से बचने के लिए निम्न आय किए जाने चाहिए।

(i) उत्साही नवयुवकों एवं नवयुवतियों को आगे बढ़कर सहयोग करना चाहिए।

(ii) सरकार को संभावित खतरों से निपटने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

(iii) सरकार एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच गहरा तालमेल बैठाने का प्रयास करना चाहिए।

(iv) जहाँ तक हो सके हमें उन्हें आवश्यक सामान पहुँचाने का प्रयत्न करना चाहिए।

नोटिस - इसके अतिरिक्त प्रश्नों के उत्तर गृह कार्य में कीजिए।

कक्षा- IX

कबीर की साखियाँ और सबद

विषय - हिन्दी -

साखियाँ

प्र० 1. मानसरोवर से कवि का क्या आशय है ?

उ०- मानसरोवर के दो अर्थ हैं -

(i) हिमालय पर्वत पर स्थित एक पवित्र झील जिसमें हंस विहार करते हैं।

(ii) मनुष्य का पवित्र मन।

प्र० 2. कवि ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है ?

उ०- कवि के अनुसार सच्चे प्रेमी की कसौटी यह है कि उससे मिलने पर मन की सारी मलीनता नष्ट हो जाती है और पाप धुल जाते हैं।

प्र० 4. इस संसार में सच्चा संत कौन कहलाता है ?

उ०- कबीर के अनुसार सच्चा संत वह है जो सांप्रदायिक भेद भाव, तर्क-वितर्क और वाद विवाद के झगड़े में न पड़कर निश्छल भाव से भगवान की भक्ति में लीन रहता है।

प्र० 6. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ?

उ०- किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है, न कि कुल से। आज तक हजारों राजा पैदा हुए और मर गए, परंतु जिन्हें हम जानते हैं वे हैं राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, हरिश्चन्द्र आदि। इन्हें इस लिए जाना जाता है क्योंकि इन लोगों ने लोगों के हित के लिए कार्य किया है।

सबद

1. प्र०. मनुष्य ईश्वर को कहाँ कहाँ ढूँढ़ता है ?

उत्तर-8. मनुष्य ईश्वर को मंदिर, मस्जिद, काबा, कैलाश, योग, वैराग तथा विभिन्न प्रकार की पूजा पद्धतियों में खोजता-फिरता है।

प्र०9. कबीर ने ईश्वर-प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खण्डन किया है?

उत्तर- कबीर ने ईश्वर प्राप्ति के लिए प्रचलित विश्वासों का खण्डन किया है उनके अनुसार ईश्वर न मंदिर में है, न मस्जिद, न, काबा, न कैलाश और न ही किसी प्रकार का कर्मकांड करने में मिलता है। ईश्वर न योग साधना, न वैरागी बनने से यह सब ढोंग है। इससे प्रभु की प्राप्ति नहीं होती है।

प्र०10. कबीर ने ईश्वर को सब साँसों की साँस में क्यों कहा है?

उ०- कबीर के अनुसार ईश्वर घट-घट में व्याप्त है। वह साँस-साँस में समाया हुआ है। वह प्रत्येक प्राणी के मन में विराजमान है।

प्र०11. कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न करके आँधी से क्यों की है?

उ०- कबीर के अनुसार जब ज्ञान का आगमन होता है तो उसका आगमन प्रभावी होता है जिससे उसकी पूरी जीवन शैली बदल जाती है यह परिवर्तन धीरे-धीरे नहीं होता है एकाएक और पूरे वेग से होता है। यही कारण है कि कबीर दास जी ने ज्ञान के आगमन की तुलना आँधी से की है।

प्र०-12. ज्ञान की आँधी का भक्त के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उ०- ज्ञान की आँधी आने पर भक्त के मन की सारी मलीनता नष्ट हो जाती है। उसके मन के भ्रम नष्ट हो जाते हैं। माया, मोह, स्वार्थ, धन, तृष्णा, कुबुद्धि आदि विकार नष्ट हो जाते हैं। इसके बाद उसके मन में प्रेम की वर्षा होती है, जिससे जीवन आनंदमय हो जाता है।